श्री अरविन्द नेताम : अभी तक करीब 46 देशों——

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने दो सालों में पूछा है।

श्री अरविन्द नेताम : 1976 में करीब चार देशों से और 1975 में करीब आठ देशों से हुए हैं। अगर आप कहिये तो मैं उन देशों के नाम पढ़ दूं।

Revision in Ex-factory Prices of Sugar

*269. SHRI K. M. 'BADHUKAR':
SHRI D. D. DESAI:

Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether the ex-factory prices of sugar, have been revised again recently; and

(b) if so, the prices increased and reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SHAHNAWAZ KHAN): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the Sabha. [*Placed in Library. See* No. LT-11297/76].

श्री कमला मिश्र 'मधुकर' : नीति के बारे में अगर मैं प्रश्न करूं तो अध्यक्ष महोदय आप एलाउ नहीं करेंगे —

अध्यक्ष महोदय : सूचना दीजिये तो।

श्री कमला मिश्र 'मधुकर' : हमारी सरकार की चीनी के बारे में जो नीति है वह मिल मालिकों को खुश करने की नीति है जहां तक कज्यूमर्ज और किसानों का सम्बन्ध है सरकार की नीति बिल्कुल घातक नीति है। स्टेटमेंट में बताया गया है कि चूंकि ब्यूरो आफ इंडस्ट्रियल कास्ट्स एंड प्राईसिस की रिकोमेंडेशन हो गई थी इसलिये चीनी की एक्स फैक्टरी प्राईस बढ़ा दी है। इसको बढ़ाने के बाद उपभोक्ता की सही दामों पर चीनी दिलाने के लिए आप ने क्या व्यवस्था की है ?

श्री शाहनवाज खां : लेवी शूगर की जो प्राईस है वह जो पहले थी यानी 2 रुपये 15 पैसे पर किलो वह वही रहेगी। उस चीनी की कीमत बढ़ी नहीं है।

श्री कमला मिश्र 'मधुकर' : चूंकि बिहार और उत्तर प्रदेश में तमाम चीनी मिलें पुरानी पड़ गई हैं, उनकी मशीनरी पुरानी पड़ गई है क्या यह सही नहीं है कि उसकी वजह से शूगर की कास्ट प्राईस बढ़ जाती है, प्रोडक्शन कास्ट बढ़ जाती है ? अगर हां तो उन चीनी मिलों के नवीनीकरण के लिए ताकि उनकी कास्ट आफ प्राडक्शन घट सके और आपको दाम बढ़ाने का मौका न मिले, आप क्या करने जा रहे हैं ?

श्री शाहनवाज खां : ऐसी स्कीम गवर्नमेंट के जेरे गौर है ताकि पुरानी शूगर मिलों का माडर्नाइजेशन और रिहेबिलिटेशन हो सके। उनकी मशीनरी को नए सिरे से बेहतर बनाने के लिये गवर्नमेंट लोन वगैरह देने की बात भी सोच रही है।

SHRI D. D. DESAI: The production of sugar has declined from 48 lakh tonnes to 42 lakh tonnes, and the export also has been affected to some extent. The statement laid on the Table of the House shows that the costing is done by the Bureau of Industrial Costs and Prices. May I know from the hon. Minister whether the variation between the lowest and the highest is nearly a hundred per cent? Can he not consider seeing that the cost element particularly. The crushing period recovery and sugarcane price are all arranged in a manner that the sugarcane growers do get a remunerative price which is presently a matter of great concern in the House and outside?

MR. SPEAKER: It is a different question about sugar cane price and not about the ex-factory price of sugar.

SHRI SHAHNAWAZ KHAN: These are two different prices. .

MR. SPEAKER: The relevance in this is only whether, as a result of the ex-factory price of sugar being revised, the sugar cane prices will also be affected or what That aspect you can answer. Otherwise, there is no relevance.

SHRI D D DESAI: The difference is of the order of 100 per cent between the lowest and the highest.

SHRI SHAHNAWAZ KHAN: As you have very rightly remarked, these are two entirely different questions. One is fixation of the price of levy sugar and the other is fixation of the price of sugar cane The price of sugar cane is fixed on the recommendation of the Agricultural Prices Commission and the Central Government consults the States and the sugar-cane growers and then fixes the prices The fixation of the price of evy sugar .

MR. SPEAKER Shri Ramavatar Shastri

श्री रामावतार शास्त्री एक क्विंटल चीनी का उत्पादन खर्च कितना आता है और उसका बिक्री मूल्य क्या होता है? दोनों को देखते हुए आप मिल मालिकों को कितना मुनाफा देते है और क्या उस मुनाफे में आप कमी करने का विचार रखते हैं हिन्दुस्तान की जनता की भावनाओं को देखते हुए?

श्री शाहनवाज खां : उन्होंने खर्च का सवाल पूछा है। उस में गन्ने की कीमत ही शामिल नही होती है और भी बहुत सी चीजें उस मे आती है। लागत मूल्य को टरिफ कमिशन पहले और फिर ब्यूरो आफ इंडस्ट्रियल कास्ट्स एंड प्राइसिज दोनों देखते हैं और छानबीन करने के बाद ही कोई सिफारिश करते हैं —

अध्यक्ष महोदय उन्होंने जो पूछा है, वह इनफर्मेशन आपके पास है तो बता दें।

श्री शाहनवाज खां : उसी पर मैं आ रहा हू। वे वर्क आउट करते हैं कि उनको 12.25 परसेंट से ज्यादा मुनाफा न होने पाए।

श्री रामावतार शास्त्री: कमी करने का विचार है या नही ?

अध्यक्ष महोदय होता तो कह देते।

श्री बेंका सिंह शुगर कमिशन ने चीनी मिलो के राष्ट्रीयकरण के बारे मे अपनी रिपोर्ट के एक हिस्से में बहुत ही महत्वपूर्ण सिफारिश की थी। लेकिन मैं उसके बारे मे इस वक्त नही पूछता हू। दूसरे हिस्से मे उसने जो सिफारिशे की थी उसके बारे मे मैं पूछता हूं। उसने ऐसा सुझाव दिया था कि चीनी की कीमत तय करने के लिये बोर्ड बनाया जाय, साथ ही उसने यह कहा था कि कृषि के डिवलपमेंट के लिये कुछ किया जाए इत्यादि। मैं जानना चाहता हू कि सरकार ने उन मामलो की तरफ से क्यों आखे मूद ली है? क्या कोई भी काम उस दिशा मे नही किया है?

अध्यक्ष महोदय, गन्ने की उपज उत्तर प्रदेश और बिहार मे बहुत कम होती है। फैक्ट्रियां वहां सब से ज्यादा हैं। सब से कम उपज हिन्दुस्तान भर में उत्तर प्रदेश और बिहार मे ही होती है। क्या सरकार को इस पर कोई सिफारिश मिली थी? यदि हां, तो उस पर क्यों नही कार्यवाही की जिस से कम से कम दाम पर लोगो को शुगर मिल सके?

अध्यक्ष महोदय. माननीय सदस्य पूछना चाहते है कि शुगर कमीशन की सिफारिशें क्यो नहीं मानी?

श्री शाहनवाज खां : वह हम ने मान ली है सिवाय इसके कि जहां पर वह कोई राय कायम नहीं कर सके। जहां पर उन की सिफारिशें यूनानिमस थीं वह हमने मान ली हैं।

श्री मेवा सिंह : क्या मंत्री जी ने अच्छी तरह से रपोर्ट को देख लिया है जो शूगर बेचने और डेवलपमेंट के सिलसिले में उन्होंने कोई लगाने की सिफारिश की थी, उस पर क्या कार्यवाही हो रही है?

श्री शाहनवाज खां : वह रिपोर्ट मैंने बहुत गौर के साथ पढ़ी और शूगर केन डेवलपमेंट के लिये जो जो उन की सिफारिशात थीं उन पर हम काम कर रहे हैं। शूगर बेचने के बारे में जो एक्सेस रियलाइजेशन है उस पर भी किसानों को 50 परसेंट दिया जाय यह बात भी है।

SHRI DINEN BHATTACHARYYA: May I know actually whether any percentage of this levy sugar is being exported and if so, what is the export price of it and how does it compare with the price that has been detailed here in Appendix I of the Statement?

MR. SPEAKER: Has it any relation with the export price?

SHRI SHAHNAWAZ KHAN: No, Sir. The export prices were very very high. You know, Sir, that was 600 pounds per ton. That has come down.

Study of Rain Fed Cultivation of Black Cotton Soil

*270 SHRI BHAGATRAM MANHAR:
SHRI NITIRAJ SINGH CHAUDHARY:

Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether Government propose to locate pilot projects to study the complex problems arising in rain fed cultivation in black cotton soil in Narmada Valley; and

(b) if so, facts thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI ANNASAHEB P. SHINDE): (a) and (b): No, Sir. There is no such proposal with the Government of India. It may, however, be mentioned that under a Centrally Sponsored Scheme of Integrated Dryland Agricultural Development, 6 pilot projects out of 24 are in operation since beginning of the Fourth Five Year in the black soil areas of Indore and Rewa (Madhya Pradesh), Sholapur and Akola (Maharashtra) and Rajkot and Amreli (Gujarat); but none of these district from part of Narmada Valley.

श्री भगतराम मनहर : अभी कुछ देर पहले मंत्री जी ने यह स्वीकार किया है कि कपास की पैदावार में काफी कमी है। कपास की पैदावार बढ़ाना देश और जनहित में है। नर्मदा घाटी की काली मिट्टी कपास की पैदावार के लिये बहुत अच्छी है और क्षेत्रफल भी काफी है। तो मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो आप ने प्रस्ताव दिया है कि इंटेंसिव प्रोग्राम बना रहे हैं कपास की पैदावार बढ़ाने के लिये क्या इस बारे में आप विचार करेंगे कि खाली इस प्रोग्राम से ही जितनी कपास की आवश्यकता है उस की पूर्ति नहीं होगी, बल्कि अतिरिक्त जमीन में भी कपास की खेती करने के लिये कोई योजना लागू करनी होगी। क्या मंत्री जी इस हेतु नर्मदा घाटी को प्राथमिकता देंगे?

SHRI ANNASAHEB P. SHINDE: The black-soil, whether it be in Narmada Valley or elsewhere, is more or less similar. After our experience here, it can be utilised in Narmada Valley as well.